



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 503] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 22, 1976/अग्राहयण 1, 1898

No. 503] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 22, 1976/AGRAHAYANA 1, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 22nd November 1976

OPEN GENERAL LICENCE NO. CIV.

S.O. 749(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) as amended, the Central Government hereby gives general permission for import of permissible spare parts meant for maintenance of imported machinery or imported parts of indigenous machinery until further notice, subject to the following conditions:

- (i) the import shall be made only by an actual user duly registered with the Directorate General of Technical Development or the State Director of Industries, or other sponsoring authorities as the case may be, requiring spare parts for maintenance of imported machinery or imported parts of indigenous machinery installed or used in his own factory, including spare parts of ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances;
- (ii) the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a declaration giving the particulars of his registration as an industrial unit with the concerned authorities and affirming that the said registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in operative;

(iii) the term "permissible spare parts" will include all spare parts except those which are specifically shown as non-permissible under the policy for actual users in Section II of the Import Trade Control Policy Red Book (Volume I) for the year April 1976—March 1977. Even if any S. No. of the ITC Schedule which include finished products as well as spare parts thereof, has not been shown in Section II of the ITC Policy Red Book (Volume I) for April 1976—March 1977, the spare part covered by that S. No. will be treated as permissible;

(iv) the definition of spare parts for the purpose of import under this licence shall be as follows:

Spare parts are those parts of machines which, because of wear and tear, use, or breakage need replacement. These may include materials

- (a) like pipes and tubes, electric cables, wires, hoses and belting imported in length which have merely to be cut to the required size or bent before being used;
- (b) consumable stores like refractory material and welding electrodes;
- (c) sub-assemblies of essential parts of the machines; and
- (d) complete units which are to be fitted with a machine like water circulatory pumps, motor, panel bolts and gears.

However, materials such as plates and sheets etc. which are required to be fabricated for manufacturing spare parts and such complete units which are installed separately will not be treated as spare parts.

2. This licence is issued without prejudice to the application of any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import, that may be in force at the time when such goods are imported.

[No. 21/76]

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1976

खुला सामान्य लाइसेंस सं० CIV

क्रा० प्रा० 749 (अ).—यथा संशोधित आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिहारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा आगामी नोटिस जारी होने तक निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयातित मशीनरी या देशी मशीनरी के आयातित पुर्जों के अनुरक्षण के लिए स्वीकृत फालतू पुर्जों के आयात के लिए सामान्य स्वीकृति प्रदान करती है :—

1. जैसा भी मामला हो, आयात केवल महानिदेशक तकनीकी विकास या राज्य उद्योग निदेशक या अन्य प्रयोजन प्राधिकारियों के पास विधिवत पंजीकृत उस वास्तविक उपयोगकर्ता द्वारा किया जाएगा जिसे सहायक उपकरण, नियंत्रण और प्रयोगशाला एवं सुरक्षा यंत्र के फालतू पुर्जे सहित आयातित मशीनरी या उस के कारखाने में स्थापित या उपयोग हो रही देशी मशीनरी के अनुरक्षण के लिए फालतू पुर्जों की आवश्यकता है ;

2. आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय संबंध प्राधिकारियों के पास औद्योगिक एकक के रूप में अपने पंजीकरण के ब्यौरे देते हुए एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा और उस में इस बात की पुष्टि करेगा कि उपर्युक्त पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वासप नहीं लिया गया है या उसे अन्यथा रूप से क्रियान्वित नहीं किया गया है ।

3. 'स्वीकृत फालतू पुर्जों' की परिभाषा में अप्रैल 1976-मार्च 1977 वर्ष के लिए आयात व्यापार नीति रेड बुक (वा-1) के खंड 2 में वास्तविक उद्योगकारों के लिए नीति के अन्तर्गत विशेष रूप से दर्शाए गए गैर-स्वीकृत को छोड़ कर सभी फालतू पुर्जे शामिल होंगे। यदि आयात व्यापार नियंत्रण की अनुसूची की किसी भी क्रम संख्या में जिस में परेस्कृत उद्घाट और साथ ही साथ उक्त फालतू पुर्जे शामिल हैं और उन्हें अप्रैल, 1976 मार्च, 1977 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति रेड बुक (वा-1) के खंड 2 में नहीं दर्शाया गया है तो उक्त क्रम संख्या के अन्तर्गत आने वाले फालतू पुर्जे स्वीकृत रूप में समझे जायेंगे।

4. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के प्रयोजन के लिए फालतू पुर्जों का परिभाषा इस प्रकार होगी

1. फालतू पुर्जे मशीनों के वे पुर्जे हैं जिन की बदलाई प्रयोग करने के कारण या टूट फूट की वजह से आवश्यक है। इन में निम्नलिखित माल शामिल हो सकते हैं :—

- (क) जैसे पाइप और ट्यूब, विद्युत केबुल, तार, होपेज और बेल्टिंग जो लम्बाई में आयात की गई है और जो उपयोग किए जाने से पूर्व केवल अपेक्षित साइज में काटी जानी है या मोड़ी जानी है,
- (ख) उद्योग्य स्टोर्स जैसे तापसह माल और बेल्टिंग इलेक्ट्रोड्स,
- (ग) मशीनों के अनिवार्य पुर्जों के उ-सज्जीकरण, और
- (घ) सम्पूर्ण यूनिट जो जल संचार पम्प मोटर पैनल बोर्ड एवं गीयर्स जैसी मशीन के साथ सज्जित की जानी हैं।

लेकिन वे माल जैसे प्लेट्स और शीट्स आदि जो फालतू पुर्जों और ऐसे सम्पूर्ण यूनिटों विनिर्माण के लिए बनाए जाने हैं जो अलग से स्थापित किए जाते हैं तो फालतू पुर्जों के रूप में नहीं माने जायेंगे।

2. यह लाइसेंस किसी भी सामान, किसी भी परिवर्तन या विनिर्माण जो आयात पर प्रभाव डालता है और जो उक्त समय लागू हो जब कि ऐसे माल आयात किए जाते हैं उक्त अतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखे बिना ही जारी किया जाता है।

[सं० 21/76]

ए० एन० गिल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976

